Dr. Chiranjeev Kumar Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Raj Nagar

BA II (GRM/SUB)

Lecture II

घरेलू हिंसा के कारण ⇒ घरेलू हिंसा आधुनिक समाज की एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। जैसे-जैसे आधुनिक समाज विकास की ओर अग्रसर होता जा रहा है वैसे-वैसे यह समस्या भी बढ़ती ही जा रही है। घरेलू हिंसा न केवल भारत की सामाजिक समस्या है बल्कि पूरे विश्व में यह एक विकराल रूप लेता जा रहा है। विश्व के अनेक देशों में भी महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती जा रही है। घरेलू हिंसा के समाज में बढ़ने के कई कारण दिखाई पड़ते है, उनमें से कुछ कारण इस प्रकार है -

1. दहेज - दहेज ने घरेलू हिंसा को बढ़ाने में अपनी मुख्य भूमिका निभाई है। दहेज में कीमती सामान न मिलने के कारण पति अपनी पत्नी को मारता-पीटता है, गाली देता है यहां तक कभी-कभी जान से मार भी देता है।

2020-7-11 09:33

2. आर्थिक कारण - वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आर्थिक कारण भी घरेलू हिंसा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यदि पति काम कमाता है और अपने परिवार का निर्वाह ठीक ढंग से नहीं कर पाता तो अपने स्त्री पर हिंसा करता है। कभी-कभी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने पत्नी या साथी से धन मांगता है और मना करने पर हिंसा का सहारा लेता है।

3. यौनिक कारण - आज के इस भौतिक वातावरण में यौन हिंसा बढ़ती जा रही है। पुरुष अपने यौन संतुष्टी के लिए भी अपने साथी पर हिंसा का प्रयोग करता है कभी-कभी लिव-इन-रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों में यह देखने को मिलता है।

4. सामाजिक कारण - भारतीय समाज पुरुष प्रधान समाज है। वह चाहता है जो कुछ वही उसकी पत्नी या साथी करे। सामाजिक दृष्टिकोण से पत्नी या साथी पर हिंसा करके अपने को मर्द साबित करना चाहता है।

इसके अलावा बहुत से अन्य कारण हैं जो घरेलू हिंसा को बढ़ाने में अपना [illegible]

2020-7-11 09:33